रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

भारतीय संस्कृति में शक्ति का केन्द्र रही हैं महिलायें : कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र
संचार अध्ययन एवं शोध विभाग में "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" पर सम्मान समारोह का आयोजन

जबलपुर 08 मार्च। प्राचीन पुराणों में महिलायें सदैव पूजनीय रही हैं। भारतीय संस्कृति में महिलायें ही शक्ति का केन्द्र रही हैं। शास्त्रों में लिखा है कि–यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्रफलाः क्रिया.....। इस श्लोक का अर्थ यह है कि जहां स्त्रियों का सम्मान होता है, वहां देवी–देवता निवास करते हैं। जिन घरों में स्त्रियों का अपमान होता है, वहां सभी प्रकार की पूजा करने के बाद भी भगवान निवास नहीं करते हैं। भगवान की कृपा के बिना घर में हमेशा ही गरीबी रहती है। गरीबी को दूर रखने के लिए स्त्रियों का सम्मान करना चाहिए। ये प्रेरक संदेश माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सोमवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय संचार अध्ययन एवं शोध विभाग (पत्रकारिता विभाग) में आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

रादुविवि पत्रकारिता विभाग में आयोजित महिला सम्मान समारोह में आयोजन संयोजक कला संकायाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानि 8 मार्च को दुनिया के सभी देश चाहे वह विकसित हो या विकासशील मिलकर महिला अधिकारों की बात करते हैं। महिला दिवस के दिन महिलाओं की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों के बारे में चर्चा की जाती है। आज चाहे इंजीनियरिंग हो या मेडिकल, उच्च शिक्षा हो या प्रबंधन हर क्षेत्र में स्त्रियां पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। नारियों के समक्ष खुला आसमान और विशाल धरती है जिस पर वह अनंतकाल तक अपना परचम लहरा सकती हैं।

विभाग की पूर्व छात्राओं का हुआ सम्मान–

"अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" पर आयोजित सम्मान समारोह में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा पत्रकारिता विभाग की पूर्व छात्राओं एवं वर्तमान में पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय सुरभी तिवारी (दूरदर्शन), शिवांजलि वर्मा (द हितवाद), भावना ठाकुर (दैनिक भास्कर), अनुकृति श्रीवास्तव (नई दुनिया), अंशु तिवारी (दैनिक भास्कर), नेहा सेन (पत्रिका), अर्चना ठाकुर (नई दुनिया), स्वाति लोधी (बी.टीवी) का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। संचालन एमजेसी छात्रा अंजली यादव एवं आभार प्रदर्शन डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिये, श्रीमती सरला गौतम सहित बीएएमसी, बीजेसी, एमएएमसी, एमजेसी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

.....

बी.एड. विभाग द्वारा ''रानी दुर्गावती सेवा सम्मान'' समारोह का आयोजन

रादुविवि के बी.एड. विभाग द्वारा **''अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस''** के अवसर पर 'रानी दुर्गावती सम्मान' समारोह विश्वविद्यालय के **पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह** में मान. कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता, सुश्री रेखा चूड़ासमा जी के मुख्य आतिथ्य, कार्यपरिषद् सदस्य श्रीमती कांति रावत मिश्रा जी के सारस्वत आथित्य एवं प्रभारी कुलसचिव प्रो. एन.जी. पेन्डसे तथा बी.एड. विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अलका नायक की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रो. मृदुला दुबे, महिला अध्ययन केन्द्र की प्रभारी डॉ. राजेश्वरी राणा, प्रो. ए.के. गिल, सहायक कुलसचिव सुश्री मिनाल गुप्ता एवं सुश्री मोनाली सूर्यवंशी भी मंचासीन थीं।

मुख्य अतिथि सुश्री रेखा चूड़ासमा ने बताया कि आज के आधुनिक युग में महिला पुरूषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे आगे निकल गयी हैं। किन्तु महिला सुरक्षा का स्तर तेजी से गिरता जा रहा है। इसका प्रमुख कारण लगातार हो रहे अपराधों में इजाफा है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में मान. कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि कभी माँ तो कभी बहन बनकर दुलारती है, महिला न जाने कितने जीवन संवारती है।

सारस्वत अतिथि श्रीमती कांति रावत मिश्रा ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा विकास में भी आधी भागीदार हैं। भारतीय संविधान में महिलाओं को स्वतंत्र गौरवमयी जीवन जीने का हक है।

इनका हुआ सम्मान–

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की महिला सफाई कर्मियों श्रीमती शीला इमलहा, श्रीमती सरस्वती बाई एवं श्रीमती शीला समुद्रे को 'रानी दुर्गावती सेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड. विभाग की अतिथि विद्वान डॉ. अमरीशा देशमुख तथा आभार प्रदर्शन डॉ. रानी वैद्य ने किया।